

कालातीत के लिए एक पुस्तिका

BladeFrega की पहली आज़ा

अपने आप का संपूर्ण संस्करण मत खोजो।

कालातीत व्यक्ति वह नहीं है जिसने समय-सीमाएँ मिटा दी हों। ऐसा व्यक्ति केवल महँगे विश्राम-शिविरों के विज्ञापनों में मिलता है। कालातीत व्यक्ति ने यह सीख लिया है कि पूर्णता अक्सर साफ़ कमीज़ पहने हुई देरी होती है।

स्वयं का संपूर्ण संस्करण हमेशा तैयार होता रहता है और कभी जारी नहीं होता। कोई कृति दुनिया के संपर्क में आकर वास्तविक बनती है। प्रकाशन के बाद उसमें संशोधन हो सकता है, पर अस्तित्व से पहले नहीं। पेशेवर होना मायने रखता है। और इतना अधूरा बने रहने का साहस भी, कि बढ़ने की गुंजाइश बची रहे। अनंतता को संपूर्ण संस्करण नहीं चाहिए। उसे ऐसा संस्करण चाहिए जो जीता रहे।

निष्कर्ष

अनंतता तब शुरू नहीं होती जब समय अनंत हो जाता है। वह तब शुरू होती है जब कोई निर्णय, कोई पृष्ठ या कोई कृति समाप्त होने से इनकार कर देती है।

Ferdinando

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com